श्री कलराज मिश्र

माननीय राज्यपाल एवं कुलाधिपति
राजस्थान का उद्‌बोधन

कोटा विश्वविद्यालय, कोटा का

लोकार्पण एवं शिलान्यास कार्यक्रम

दिनांक 27 नवम्बर, 2020 **समय दोपहरः 12 .15 बजे**

स्थान : राजभवन, जयपुर

इस समारोह में उपस्थित श्री शान्ति कुमार धारीवाल जी, नगरीय विकास मंत्री, श्री भंवर सिंह भाटी जी, उच्च शिक्षा मंत्री, राजस्थान सरकार, प्रोफेसर नीलिमा सिंह, कुलपति, कोटा विश्वविद्यालय तथा शिक्षक एवं अधिकारीगण।

विश्वविद्यालय परिसर में नवनिर्मित केन्द्रीय पुस्तकालय तथा अकादमिक भवन द्वितीय के लोकार्पण के इस अवसर पर मैं आप सभी को बधाई और शुभकामनाएं देता हूं। मैं समझता हूं, इससे विद्यार्थियों को उच्च स्तरीय अध्ययन सुविधायें ही प्राप्त नहीं होगी बल्कि पुस्तकालय से ज्ञान का नया आलोक भी प्राप्त होगा।

आज ही विश्वविद्यालय में कन्या छात्रावास, संविधान पार्क एवं रसायन शास्त्र प्रयोगशाला का शिलान्यास भी किया गया है। मैं समझता हूं, विश्वविद्यालय की उत्तरोत्तर उन्नति की दृष्टि से यह महत्वपूर्ण कदम है।

पुस्तकालय ज्ञान के आलोक रूप में विद्यार्थियों को आलोक प्रदान करने के महत्वपूर्ण स्थल है। मैं यह मानता हूं कि मन को उर्वर करने का कार्य पुस्तकों से ही होता है। इसलिए किसी भी विश्वविद्यालय के लिए उसके पुस्तकालय वहां की धरोहर होते हैं।

पुस्तकों के बारे में कहा गया है कि वे सच्ची मित्र होती है। इसे मैंने अपने जीवन में भी गहरे से अनुभव किया है। जब–जब पुस्तकों के पास गया हूं, जीवन में नया कुछ संपन्न करने वाला ज्ञान मिला है। इसलिए मेरा यह भी मानना है कि पुस्तकें बौद्धिक स्तर पर ही विद्यार्थियों को संपन्न नहीं करती बल्कि निरंतर नया ज्ञान प्राप्त करने के लिए भी पुस्तकालयों से प्रेरणा मिलती है।

नालन्दा विश्वविद्यालय के इतिहास से हम सभी परिचित हैं। कहते हैं जब बख्तियार खिलजी ने उसका नाश किया गया तो हमारे प्राचीन ज्ञान–विज्ञान को जड़मूल नष्ट करने के लिए वहां के समृद्ध पुस्तकालय को जलाया गया। वहां का पुस्तकालय इतना समृद्ध था कि कई महिनों तक पुस्तकालय की पुस्तकों की जली आग धधकती रही।

यह दौर सूचना और संचार प्रौद्योगिकी का है फिर भी मैं यह मानता हूं कि छपी पुस्तकों का महत्व कभी कम नहीं हो सकता। इसलिए विश्वविद्यालय में केन्द्रीय पुस्तकालय भवन के लोकार्पण के कदम को मैं बेहद महत्वपूर्ण मानता हूं और उम्मीद करता हूं कि यहां पर आप बेहतरीन पुस्तकों को विद्यार्थियों के उपयोग के लिए उपलब्ध कराएंगे।

इसी तरह आज संविधान पार्क का जो शिलान्यास किया गया है, उसकी भी मैं सराहना करता हूं। विश्वविद्यालयों में संविधान पार्क मेरा आरम्भ से स्वप्न रहा है। संविधान भारतीय लोकतंत्र के संचालन का दस्तावेज भर ही नहीं है बल्कि यह भारतीय संस्कृति और जीवन मूल्यों का आदर्श ग्रंथ है। इसके बारे में विद्यार्थियों को जानकारी होगी तो वे संवैधानिक अधिकार और कर्तव्यों के संतुलन की भारतीय परम्परा को सीखने के साथ ही संवैधानिक रूप में जागरूक भी हो सकेंगे।

मुझे यह बताया गया है कि हाड़ौती क्षेत्र में सामान्य एवं आधारभूत शिक्षा के विकास के लिए कोटा विश्वविद्यालय की स्थापना वर्ष 2003 में की गई। स्थापना के समय विश्वविद्यालय से 37 महाविद्यालय सम्बद्ध थे। आज विश्वविद्यालय से कोटा एवं भरतपुर संभाग के 06 जिलों यथा कोटा, बूंदी, बारां, झालावाड़, सवाई माधोपुर

एवं करौली के 194 महाविद्यालय सम्बद्ध है जिनमें लगभग 2 लाख 70 हजार विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। विश्वविद्यालय में सत्र 2004–05 में केवल दो स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम संचालित थे। वर्तमान में 23 स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के साथ कुल 30 विभिन्न पाठ्यक्रम विश्वविद्यालय में संचालित किये जा रहे हैं। यह जानकर प्रसन्न्ता है कि विश्वविद्यालय अपने स्थापना वर्ष से ही अपने सीमित साधनों एवं निष्ठावान सदस्यों के सहयोग से निरन्तर उन्नति की ओर अग्रसर है तथा विश्वविद्यालय को एनआईआरएफ में 78वीं रैंक तथा वर्ष 2017 नेक द्वारा 'बी' ग्रेडिंग प्राप्त की गयी।

भारत की अद्वितीय सांस्कृतिक विरासत भारत को विश्व में जेष्ठ व श्रेष्ठ बनाती है। इसको ध्यान में रखकर विश्वविद्यालय द्वारा स्वामी विवेकानन्द, महात्मा गांधी, डॉ. भीमराव अम्बेडकर, पंडित दीनदयाल उपाध्याय आदि महापुरूषों के विचारों पर शोध हेतु शोध पीठों की जो स्थापना की गई है, वह सराहनीय पहल है।

यह जानना सुखद है कि विश्वविद्यालय परिसर में विश्वस्तरीय खेल संकुल निर्मित है जो कि हाड़ौती क्षेत्र में उत्कृष्ट खिलाड़ी तैयार कर रहा है। विश्वविद्यालय परिसर में नवनिर्मित केन्द्रीय पुस्तकालय तथा अकादमिक भवन द्वितीय के लोकार्पण के उपरांत विद्यार्थियों को उच्च स्तरीय अध्ययन सुविधायें प्राप्त हो सकेंगी, ऐसा मेरा विश्वास है। कन्या छात्रावास, संविधान पार्क एवं रसायन शास्त्र प्रयोगशाला के शिलान्यास के लिए मैं सभी को बधाई देता हूं।

मुझे विश्वास है, कोटा विश्वविद्यालय शिक्षा एवं शोध के क्षेत्र में अपने अनुष्ठान तथा नवाचारों के कदमों के साथ निरन्तर ऐसे ही प्रगति करता रहेगा।

धन्यवाद। जय हिन्द।